ANNUAL EXAM MARCH - 2023 VIII HINDI ANSWER KEY

1. मकान

2. जल का संरक्षण करना ज़रूरी है ।

3. हर महीने पाँच हज़ार मूल और एक हज़ार सूद भरना है ।

4. **पोस्टर (संगोष्ठी) - जल ही जान है**

जिला पंचायत के नेतृत्व में
संगोष्ठी
विषय - " जल ही जान है "

तारीख - 2023 मार्च 23
समय - सुबह 10 बजे
स्थान - जिला पंचायत सभा भवन

उद्घाटन - माननीय जल शक्ति मंत्री
विषय प्रस्तुति - जिला पंचायत प्रसिडेंट
भाग लें ... लाभ उठाएँ ...
सबका स्वागत

अथवा

टिप्पणी - जल संरक्षण की आवश्यकता

जल प्रकृति का वरदान है । जल के बिना धरती में जीना मुश्किल बन जाता है । समय-समय पर बरसात के ज़रिए तथा नदी, तालाब, नाले, झरने, समुद्र, कुएँ आदि से प्रकृति हमें आवश्यक जल देता रहा । पीने, नहाने, सफाई करने, निर्माण कार्य, खेती, खाना पकाने, कारखानों केलिए, बिजली के उत्पादन आदि केलिए हम जल का इस्तेमाल करते हैं । जल की आवश्यकता दिन-ब-दिन बढती जा रही है । लेकिन यह समझे बिना हम बडी मात्रा में जल का दुरुपयोग करते हैं तथा जलस्रोतों का नाश कर रहे हैं । जल आज हमारेलिए कीमती चीज़ बनती जा रही है, मोल देकर पानी खरीदना पडता है । जल नहीं है तो मनुष्य तथा अन्य जीव-जंतुओं का जीवन खतरे में पड जाएगा । इस भयंकर समस्या से बचने केलिए वर्षा से मिल रहे पानी को संजोके रखना चाहिए । जंगल-पेडों की कटाई रोककर अधिकाधिक पेड लगाना चाहिए, पहाडियों को गिराना और खेतों को मिटाना बंद करना चाहिए । जल संरक्षण केलिए उचित व्यवस्था करें तो आनेवाले दिनों में हमारेलिए प्रयास नहीं करना पडेगा । हमारेलिए और आगामी पीढी केलिए जल संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

5. मानव

6. मैं खुशी से <u>रह सकता हूँ ।</u>

7. **वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।**

* हम जिएँगे ।
* हम इंसान बनकर जिएँगे ।
* हम **अच्छे** इंसान बनकर जिएँगे ।
* हम अच्छे इंसान बनकर **खुशी से** जिएँगे ।

8. बारिश

9. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रमुख कवि नरेश सक्सेना की सुंदर कविता इस बारिश में से ली गई हैं। इसमें एक किसान की दयनीय दशा का वर्णन है।

किसान की भूमि छीन ली गई। अत : बारिश भी उसके पास से गई। अगली फसल होने पर कर्ड चुकाने की किसान की झूठी प्रतीक्षा भी नहीं रह गई। किसानों का, जमीन से अटूट संबंध है। ज़मीन नष्ट होने पर किसानों का अस्तित्व भी नष्ट हो जाता है। यह उससे जीने की सब सपने छीन लेते हैं।

इस प्रकार आज के किसानों की कारुणिक दशा का सजीव चित्र कवि ने खींचा है। कविता बहुत ही आकर्षक बनी है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है।

10. वह

11. उसे दूसरों की दया नहीं चाहिए।

12. **वार्तालाप - माँ और लडके के बीच**

माँ - क्या हुआ बेटा ? तुम इतना उदास क्यों ?

लडका - आज तुमने मुझे नमक खरीदने भेजा था न ? रास्ते में गुड खरीदने केलिए मैं भगवान से पैसा माँगकर चल रहा था।

माँ - तब... ?

लडका - धरती से मुझे एक अठन्नी मिली।

माँ - उससे तुमने क्या किया ?

लडका - मैं उससे सफेद गुड खरीदने दूकान पहुँचा। लेकिन अठन्नी धनिए के डिब्बे में गिर गई। पंसारी ने बहुत टटोला, पर नहीं मिला।

माँ - जाने दो बेटा।

लडका - पंसारी ने मुझसे उनकी ओर से गुड ले लेने को कहा। पर मन नहीं हुआ। मुझे केवल ईश्वर की दया चाहिए, दूसरों की नहीं।

माँ - तुमने अच्छा किया बेटा। तुम दुखी मत रहो, कल या परसों मैं तुम्हें पैसा दूँगी।

लडका - ठीक है माँ।

13. **सही मिलान**

दुकानदार को लडके पर	- दया आई।
लडके ने दुकानदार से	- गुड नहीं लिया।
दुकानदार गुड का टुकडा	- लडके को देने लगा।
लडका मुँह फेरकर	- घर चला गया।

14. छोटा

15. हमें मालूम है
अपनी बीमारी का कारण

16. पर्वतारोही

17. एवरेस्ट पर पहुँची है।

18. **संतोष यादव की डायरी (एवरेस्ट पर चढने की अनुभूति)**

तारीख : .....

आज का दिन मैं कभी भूल नहीं सकती। आज एक बार भी माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढने का मेरा सपना साकार हो गया। कितना खूबसूरत अनुभव था वह। जब मैं टोप पर पहुँची तो भावात्मक रूप से मैं शून्य हो गई थी। न किसी प्रकार की खुशी थी, न ही कोई ग़म। वॉकी-टॉकी फोन के ज़रिए मुझे सूचना दी गई कि मैं एवरेस्ट की टोप पर पहुँच गई हूँ। जब मैं दो-चार कदम पीछे थी तभी मेरी आत्मा ने कहा कि यह मैं क्या करने जा रही हूँ। वहाँ मुझे स्नो लेपेडऔर माउंटन गोट देखने को मिला। अब मेरी कल्पना समाज को खुश देखना और यह धरती को स्वर्ग कहलाना है।

SREEJITH.R, KUNOOR VARKALA, SCR145

अथवा

पत्र - संतोष यादव को बधाई देते हुए

स्थान : .....

तारीख : .....

आदरणीय संतोष यादव जी,

नमस्कार। मैं राधिका हूँ । कल पत्र पढने से मुझे मालूम हुआ कि आप माउंट एवरेस्ट की चोटी पर दो बार चढनेवाली पहली भारतीय महिला बन गई है। इसकेलिए आपको मेरी तरफ से हार्दिक बधाइयाँ।

मुझे मालूम है बर्फ से ढकी चोटियों को समझने की जिज्ञासा ने आपको माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचा दिया। आप जैसी मेहनती महिलाएँ हम भारतीयों की शान है। यह भी पता है कि आप बचपन से ही निडर और जिज्ञासू थी। संतुलित दिमाग और संयम होने के कारण आप पर्वतारोही के रूप में सफल हुई। मुझे भी आप जैसे कुछ करने की इच्छा है। आप से प्रेरणा पाकर मैं भी आगे बढूँगी।

हो सके तो मैं एक बार आपसे मिलना चाहती हूँ। आपकी लंबी उम्र केलिए भगवान से प्रार्थना करते हुए,

आपकी शुभचिंतक

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में,
नाम
पता।

19. **सही प्रस्ताव**

(क) संतोष यादव बचपन से ही निडर थी।

(ग) एक पर्वतारोही को संतुलित दिमागवाला होना है।

(घ) संतोष यादव में हिमालय पर चढने की इच्छा थी।

(ङ) एवरेस्ट पर चढना पर्वतारोही केलिए खूबसूरत अनुभूति है।

SREEJITH.R, KOVOOR VARKALA, SCERT